भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2820
12 मार्च, 2021 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कोविड-19 के टीकाकरण के लिए प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की कमी

2820. श्री सय्यद ईमत्याज जलील:

श्री असादुद्दीन ओवैसी:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या टीकाकरण के लिए प्रशिक्षित नर्सों और सहायक कर्मियों की वैश्विक स्तर पर भारी मांग है क्योंकि बहुत सी प्रशिक्षित नर्सें देश से दूसरे देशों में, विशेषकर खाड़ी के देशों में नौकरी के लिए नौकरी छोड़ रही हैं, यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(ख) क्या निजी अस्पताल और नर्सिंग होम एसोसिएशन (पीएचएनए) ने इस प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की है;

(ग) यदि हां, तो देश में प्रशिक्षित नर्सों और सहायक स्टाफ की कमी होने की संभावना है जिससे देश में टीकाकरण पर प्रभाव पड़ने की आशंका है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा कौन से कदम उठाए गए/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क): कोविड-19 महामारी ने वैश्विक रूप से स्वास्थ्य परिचर्या कर्मियों की कारगर उपयोगिता की आवश्यकता पर बल दिया है। स्वास्थ्य चूंकि राज्य का विषय है, अतः यह संबंधित राज्य का उत्तरदायित्व है कि स्वास्थ्य परिचर्या पेशेवरों की अपेक्षा का मूल्यांकन करे और जन-स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में मांग को पूरा करने के लिए उपयुक्त कदम उठाए। तथापि, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को, अपनी स्वास्थ्य परिचर्या प्रणालियों जिसमें मानव संसाधनों की नियुक्ति की सहायता शामिल है, को सुदृढ़ करने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत प्रदान की जाती है।

(ख): जी नहीं।

(ग) और (घ): जी नहीं,। तथापि, भारतीय नर्सिंग परिषद (आईएनसी) के रिकोर्डों के अनुसार देश में लगभग 32.63 लाख नर्सिंग कार्मिक पंजीकृत हैं। इसके अतिरिक्त, देश में लगभग 5085 नर्सिंग संस्थाएं हैं जो वार्षिक रूप से 3.35 लाख नर्सिंग कार्मिक तैयार कर रही हैं।

पर्याप्त संख्या में टीका लगाने वालों और टीकाकरण दल के अन्य सदस्यों को कोविड-19 टीकाकरण के लिए तैयार किया गया है।

******